अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम राज्य के स्थापना दिवस पर

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 20 फरवरी 2024, मंगलवार	**समय : 4.00 PM**	**स्थान : भंगागढ़, गुवाहाटी**

नमस्कार !

आप सभी को पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई।

हमारे लिए प्रसन्नता की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की महत्वकांक्षी परियोजना "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत राजभवन, असम शुरू से ही संकल्पबद्ध होकर अन्य राज्यों का स्थापना दिवस मनाने की स्वस्थ परम्परा का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है। आज पुनः हम देश के दो राज्यों अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का स्थापना दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।

देवियो और सज्जनो,

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य से सुशोभित है। अरुणाचल को जहां उगते सूरज की भूमि कहा जाता है, वहीं मिजोरम पर्वतनिवासियों की भूमि के नाम से प्रसिद्ध है।

भारत में सूर्य देवता की पहली किरणें अरुणाचल प्रदेश को आलोकित करती हैं। यहां की विभिन्न जनजातियां, उनकी सांस्कृतिक विरासत, उनकी विविधता में एकता, सभी देशवासियों को प्रेरणा देती हैं। पहाड़ों, घने जंगलों, झील-झरनों और जीव-जन्तुओं से समृद्धयह क्षेत्र एक जैविक विविधता से समृद्ध है।

अरुणाचल प्रदेश का उल्लेख कालिका पुराण और महाभारत के साहित्य में मिलता है। यहीं पर भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम ने अपने पाप का प्रायश्चित किया, ऋषि व्यास ने तपस्या की, राजा भीष्मक ने अपना राज्य स्थापित किया और भगवान कृष्ण ने रुक्मिणी से विवाह किया। अरुणाचल में विभिन्न स्थानों पर पाये गए पुरातात्विक अवशेष इसकी समृद्ध संस्कृति और विरासत की गवाही देते हैं।

दोनों राज्यों के सीधे और सहज स्वभाव के लोगों ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। अरुणाचल के बहादुर योद्धाओं और शौर्यवान लोगों ने जहां वीरता की नई परिभाषाएं लिखी हैं और भारत माता की सदैव रक्षा की है, वहीं मिजोरम के लोगों ने भी विपरित आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितयों का डटकर सामना किया है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे होने के कारण, अरुणाचल प्रदेश सामरिक और भौगोलिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। राष्ट्रीय सुरक्षा और राज्य के आर्थिक विकास के लिए अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होना अनिवार्य है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में एनएच-913 (फ्रंटियर राजमार्ग) के लाडा-सरली सेक्शन के ईपीसी मोड में निर्माण के लिए 2,248.94 करोड़ रुपये के कोष को स्वीकृति दी है, जो पैकेज 1, 2, 3 और 6 में 105.59 किलोमीटर तक फैला है। इसके अलावा राज्य में कई जलविद्युत परियोजनाओं के विकास पर भी तेजी से काम हो रहा है।

मुझे विश्वास है कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं से राज्य के आर्थिक गतिविधियों और विकास को बढ़ावा मिलेगा। ये विकास कार्य, अरुणाचल प्रदेश के दूरदराज के हिस्सों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेंगे।

मिजोरम भी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है। 92% की उच्च साक्षरता दर के साथ मिजोरम अंतर-सांस्कृतिक जीवंतता का एक अनूठा मिश्रण समेटे हुए है, जो देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य से होकर बहने वाली प्रमुख नदियाँ, जैसे त्लावंग और तियाउ, पनबिजली क्षमता प्रदान करती हैं, जो राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

पिछले दशक में राज्य में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है। पड़ोसी देशों के साथ व्यापार मार्गों की स्थापना से यहां व्यापार सुविधा में भी सुधार हुआ है। मिजोरम विभिन्न शिल्पों में उत्कृष्ट शिल्पकारों तथा कुशल कारीगरों की भूमि है। यहां कुटीर और लघु उद्योगों की आपार संभावनाएं हैं।

मुझे खुशी है कि मिजोरम सरकार ने ग्रामीण स्तर पर लघु उद्योगों की एक श्रृंखला को सहायता और प्रोत्साहित किया है। ऐसे उद्योगों में रेशम उत्पादन (रेशम उत्पादन), हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यशालाएं, आरा मिल और फर्नीचर निर्माण, तेल शोधन, अनाज मिलिंग और अदरक प्रसंस्करण शामिल हैं।

देवियो और सज्जनो,

महिलाओं के विकास के बिना किसी भी समाज का सम्पूर्ण विकास नहीं हो सकता है। अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में लैंगिक समानता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और अपनी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों के प्रति गहरा सम्मान है।

अरुणाचल प्रदेश की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही हैं। बोमडिला की रहने वाली अंशू जामसेनपा पांच दिन में दो बार माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहण करने वाली पहली महिला है। यहां की महिलाएं उद्यमिता में अपनी भागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं। अरुणाचल प्रदेश की पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 47 प्रतिशत है।

मिज़ोरम में भी कार्यबल में महिलाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनका अत्यधिक सम्मान और महत्व किया जाता है। उन्हें पुरुषों के बराबर माना जाता है और समाज के सभी पहलुओं में भाग लेने के समान अवसर दिए जाते हैं।

मुझे विश्वास है कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की महिलाओं से पूरे देश की महिलाएं प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगी और देश में महिला सशक्तिकरण के अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

देवियो और सज्जनो,

भारत विविधतापूर्ण, बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक वाला देश है। फिर भी यह साझा परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों की प्राचीन सीमाओं से एक साथ बंधा हुआ है।

विभिन्न क्षेत्रों और जीवन शैली के लोगों के बीच बेहतर और निरंतर पारस्परिक संपर्क के माध्यम से ऐसे संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसी दृष्टिकोण से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की महत्वकांक्षी योजना की निंव रखी है।

इस योजना का उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों में रहने वाले विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच सक्रिय रूप से बातचीत को बढ़ाना और उनके आपसी समझ और एकता को बढ़ावा देना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल विभिन्न राज्य के लोगों को एक-दूसरे को जोड़ेगी और देश में एकता और अखंडता को बढ़ाएगी।

इसी आशा के साथ मैं पुनः अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की सरकार, सभी निवासियों और आप सभी को दोनों राज्यों के स्थापना दिवस की बधाई देता हूं। साथ ही दोनों राज्यों के विकास और सुख-समृद्धि की मंगल कामना करता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।